यूपी बजट : नोएडा-ग्रेनो के डेटा केंद्रों को मिलेगी रफ्तार

'डेटा क्लस्टर' और प्राधिकरण से बढ़ेगा निवेश और तकनीक

आशीष दुबे
नोएडा, 11 फरवरी।

बुधवार को पेश किए गए यूपी के बजट में इस मर्तबा डेटा क्लस्टर और डेटा प्राधिकरण बनाने का प्रावधान किया गया है। जिसका सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा पर दिखेगा, क्योंकि नोएडा में डेटा केंद्र से जुड़ी कई बड़ी कंपनियां पहले ही आ चुकी हैं, जो यहां बड़े निवेश की तैयारी में हैं।

इसी तर्ज पर ग्रेनो प्राधिकरण ने पूर्व में डेटा केंद्र के लिए 13 भूखंडों की योजना निकाली थी। नोएडा में एक सेक्टर को डेटा केंद्र के लिए आरक्षित किया गया है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अभी दस से ज्यादा डाटा केंद्र के लिए भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इनमें डेटा केंद्र संचालित हैं। आने वाले दिनों में और भी भूखंड आवंटित किए जाने हैं। यूपी सरकार ने इस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के लिए भूखंड आवंटित करने की नीति अलग से तैयार कर रखी है। स्वयं

नोएडा-ग्रेनो में कई उच्च क्षमता वाले डेटा केंद्र पहले से हो रहे हैं तैयार।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले साल आठ मार्च को नोएडा के सेक्टर-132 में सिफी कंपनी के एआइ सक्षम डाटा केंद्र का लोकार्पण किया था। यह कंपनी 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश कर 700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देगी। यह उत्तर भारत के सबसे बड़े एआइ युक्त क्रियाशील डाटा केंद्र में से एक है। ग्रेटर नोएडा में योट्टा का एक डाटा केंद्र पहले से स्थित है। एक अन्य कंपनी ने दूसरे डाटा केंद्र का काम भी शुरू कर दिया है।

योट्टा डी1 डाटा केंद्र उत्तर भारत के डाटा सेंटर का गेटवे होने के साथ ही कई बिंदुओं में खास माना जा रहा है। जिसकी क्षमता 250 मेगावाट डाटा दर्ज (स्टोरेज) करने की है। जो करीब 60 लाख उच्च स्पष्टता (एचडी) की फिल्मों के डाटा जितना है। इस डाटा केंद्र के दूसरे और तीसरे चरण का काम चल रहा है। जिनके तैयार होने के बाद इसकी क्षमता मौजूद से तीन गुना से ज्यादा हो जाएगी।

वहीं, ग्रेनो के नालेज पार्क-5 में एक अन्य डाटा केंद्र का काम चल रहा है। करीब 10 एकड़ में फैले इस डाटा केंद्र की क्षमता 250 मेगावाट से अधिक होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवंबर 2022 में इसका लोकार्पण किया था। इसके अलावा जनपद में कई और डाटा केंद्र का काम चल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पांच रनवे बनाए जाएंगे, 750 करोड़ मंजूर

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 11 फरवरी।

जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार इस वित्तीय वर्ष में किया जाएगा। जिसके तहत हवाई अड्डे पर दो रनवे को बढ़ाकर पांच किया जाएगा।

साथ ही विमानन अनुसंधान केंद्र (एआरसी) और रखरखाव के लिए साढ़े सात सौ करोड़ रुपए यूपी बजट में दिए गए हैं। इस परियोजना में भूमि अर्जन लिए 1100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बता दें कि वर्तमान में जेवर स्थित हवाई अड्डे पर उत्तर रनवे 3900 मीटर और दक्षिण रनवे 4150 मीटर है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां टर्मिनल इमारत से लेकर हवाई अड्डा सर्विलांस रडार और नेविगेशन सिस्टम तक हर प्रकार के उपकरण की व्यवस्था हो चुकी है। साथ ही, मुख्यमंत्री योगी की बुधवार को घोषणा के बाद अब हवाई अड्डे के उद्घाटन की तैयारी तेज हो गई है। हवाई अड्डे से जुड़ने वाले मार्गों से लेकर ईंधन टैंक, आपरेशन सेंटर, जल व सीवेज व्यवस्था, चेकपोस्ट, टर्मिनल इमारत, घरेलू टर्मिनल खिड़की, ई-गेट्स, बैगेज हैंडलिंग, लाउंज, विमानों को खड़ा करने के लिए एप्रन, कार्गो टर्मिनल, एटीसी, ग्राउंड हैंडलिंग के वाहनों के लिए सीएनजी पंप, ईवी चार्जिंग स्टेशन, रनवे, नेविगेशन सिस्टम, टेक्सी-वे इत्यादि के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि हवाई अड्डे के लिए यूपी बजट में 750 करोड़ रुपए का विशेष उल्लेख किया गया है। जो पश्चिमी यूपी के आर्थिक परिदृश्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला है।